Naidunia (Indore), 12th February 2026, Naidunia City, Page – IV

आइआइटी इंदौर में कार्यशाला, 200 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

मानकों की गुणवत्ता और नवाचार के लिए सतत विकास बेहद जरूरी

आइआइटी इंदौर में आयोजित कार्यशाला में मौजूद शिक्षाविद् और विशेषज्ञ। ● सौजन्य

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में बुधवार को 'बीआइएस-सतत विकास के लिए शैक्षणिक सहयोग' विषय पर महत्वपूर्ण कार्यशाला हुई। इसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में भारतीय मानकों (बीआइएस स्टैंडर्ड) के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करना था।

निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि मानकीकरण गुणवत्ता, नवाचार और सतत विकास के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि शिक्षा संस्थानों, उद्योग, स्टार्टअप और बीआइएस के बीच मजबूत सहयोग से शोध को ऐसे उत्पादों में बदला जा सकता है जो बाजार के लिए तैयार हों और समाज के लिए उपयोगी साबित हों। संस्थान के प्रो. मनीष कुमार गोयल ने जानकारी दी कि आइआइटी इंदौर में स्थापित 'बीआइएस कार्नर' छात्रों, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स के लिए ज्ञान और संसाधन केंद्र के रूप में काम करेगा। इससे मानकों के अनुरूप अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। कार्यशाला के दौरान संस्थान के संकाय सदस्यों ने बीआइएस ढांचे के अंतर्गत 33 शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किए। इनमें से छह परियोजनाएं जल आडिटिंग, प्रदूषण मापन, स्वच्छता प्रणाली, पदार्थ परीक्षण और पर्यावरण निगरानी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित हैं। बीआइएस के अधिकारियों ने कहा कि भारत की गुणवत्ता अवसंरचना को मजबूत बनाने में शैक्षणिक संस्थानों और स्टार्टअप की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ दीर्घकालिक सहयोग का भरोसा भी जताया। कार्यशाला में स्थिरता, एमएसएमई, इंटेलिजेंट मोबिलिटी और ऊर्जा प्रणालियों जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए, जिनमें उद्योग जगत की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यशाला में 200 से अधिक शिक्षाविद, शोधकर्ता, छात्र, उद्योग विशेषज्ञ, स्टार्टअप प्रतिनिधि और भारतीय मानक ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।